



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 373]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 21, 1984/भाद्र 30, 1906

No. 373] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 1984/BHADRA 30, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

*Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation*

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1984

सा. का. नि. 676(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिनेमा
कर्मकार और सिनेमा थिएटर कर्मकार (नियोजन का
विनियमन), 1981 (1981 का 50) की धारा (1) की
उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
तारीख 1 अक्टूबर, 1984 को उस तारीख के रूप में नियत
करती है जिसको उक्त अधिनियम प्रवृत्त होगा।

[सं. 103/7/83-एफ. (आई.)]

MINISTRY OF INFORMATION AND
BROADCASTING
NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1984

G.S.R. 676(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Cine-workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby appoints the 1st day of October,

1984, as the date on which the said Act shall come into force.

(No. 103/7/83-F(I))

सां. का. नि. 677(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिनेमा
कर्मकार और सिनेमा थिएटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन)
अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 3 के साथ
पठित धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

अध्याय—1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का
संक्षिप्त नाम सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थिएटर कर्मकार
(नियोजन का विनियम) नियम, 1984 है।

(2) ये 1 अक्टूबर, 1984 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं : इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से
अन्यथा अपेक्षित न हो :—

- (1) "अधिनियम" से सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थिएटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) अभिप्रेत है,
- (2) "अधिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित सिनेमा कर्मकार अधिकरण अभिप्रेत है,
- (3) "प्ररूप" से इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप अभिप्रेत है,
- (4) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है,
- (5) "छुट्टी" से उपाजित छुट्टी, चिकित्सा छुट्टी, आकस्मिक छुट्टी, प्रसूति छुट्टी अभिप्रेत है,
- (6) "अनजित छुट्टी" से वह छुट्टी जो सिनेमा कर्मकार को देय नहीं है, किन्तु जो इसके बाद में अर्जित किए जाने की प्रत्याशा में उसको मंजूर की जा सकती है, अभिप्रेत है,
- (7) "करन्तीन छुट्टी" से सिनेमा कर्मकार के परिवार या ग्रहस्थी किसी संक्रामक रोग के होने के कारण कर्त्तव्य से अनुपस्थिति छुट्टी अभिप्रेत है,
- (8) "अध्ययन छुट्टी" से किसी कर्मकार को मंजूर की गई छुट्टी जिससे कि वह ऐसा कोई विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्राप्त कर सके, जो उसके लिए उसके सेवाकाल में उपयोगी हो, अभिप्रेत है।

अध्याय—2

3. **आरा 3 के अधिन करार का प्ररूप** :—अधिनियम की धारा 3 में परिक्लित करार ऐसे होगा जैसा प्ररूप "क" में है।

अध्याय—3

सुलह अधिकारी या अधिकरण की विवाहों के निर्देश की प्रक्रिया

4. **आवेदन** : किसी सुलह अधिकारी या अधिकरण को किसी विवाद के निर्देश के लिए धारा 4 या धारा 7 के अधीन कोई आवेदन प्ररूप "ख" किया जाएगा और वह सूचना और प्रसारण मंत्रालय में भारत सरकार के सचिव को तीन प्रतियों में व्यक्तिगत रूप से परिदत्त किया जाएगा या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा। आवेदन के साथ एक कथन संलग्न किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित जानकारी दी जाएगी :—

- (क) विवाद के पक्षकारों के नाम,
- (ख) विनिर्दिष्ट विवादास्पद विषय,
- (ग) प्रभावित स्थापन में नियोजित सिनेमा कर्मकारों की कुल संख्या,
- (घ) विवाद से प्रभावित या प्रभावित होने के लिए सम्भाव्य सिनेमा कर्मकारों की अनुमानित संख्या, और

(ङ) विवाद का निपटारा करने के लिए स्वयं पक्षकारों द्वारा किए गए प्रयास।

5. **आवेदन का अनुप्रमाणन** :—आवेदन और उसके साथ संलग्न कथन पर निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे :—

- (क) किसी निर्माता की दशा में, स्वयं निर्माता द्वारा,
- (ख) सिनेमा कर्मकारों की दशा में, सिनेमा कर्मकारों के किसी व्यवसाय संघ के अध्यक्ष और सचिव द्वारा या सिनेमा कर्मकारों की इस प्रयोजन के लिए आयोजित बैठक में इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत सिनेमा कर्मकारों को पांच प्रतिनिधियों द्वारा;
- (ग) किसी व्यक्तिगत सिनेमा कर्मकार की दशा में, स्वयं सिनेमा कर्मकार द्वारा या उस व्यवसाय संघ के जिसका वह सदस्य है, किसी अधिकारी द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत उसी स्थापन में के किसी अन्य सिनेमा कर्मकार द्वारा परन्तु यह तब जबकि ऐसा सिनेमा कर्मकार किसी भिन्न व्यवसाय संघ का सदस्य नहीं है।

अध्याय-4

सुलह अधिकारी और अधिकरण की शक्तियों प्रक्रिया और कर्त्तव्य।

6. **सुलह अधिकारी** :—सुलह अधिकारी हड़ताल या तालाबंदी की सूचना की प्राप्ति पर विवाद से सम्बद्ध निर्माता और सिनेमा कर्मकारों दोनों का ऐसे स्थान और समय पर जो वह ठीक समझे, तुरन्त साक्षात्कार लेने की व्यवस्था करेगा और वह प्रश्नगत विवाद का निपटारा कराने का प्रयत्न करेगा।

(2) जहाँ सुलह अधिकारी को किसी विद्यमान या आशंकित विवाद के बारे में कोई सूचना मिलती है और वह विवाद में हस्तक्षेप करना आवश्यक समझता है तो वह सम्बद्ध पक्षकारों को लिखित रूप से एक प्ररूपित सूचना देगा, जिससे वह ऐसी तारीख से जो उसमें विनिर्दिष्ट की जाये, सुलह कार्यवाहियाँ प्रारम्भ करने के अपने आशय की घोषणा करेगा।

7. **पक्षकारों द्वारा कथन प्रस्तुत किया जाना** :—निर्माता या सिनेमा कर्मकारों का प्रधिनित्व करने वाला पक्षकार या किसी व्यक्तिगत सिनेमा कर्मकार की दशा में विवाद में अन्तर्बतित स्वयं कर्मकार, विवादास्पद विनिर्दिष्ट मामले का उल्लेख करते हुए एक कथन सम्बद्ध सुलह अधिकारी को जब भी विवाद में उसका हस्तक्षेप अपेक्षित हो, भेजेगा।

8. **विवाद का निपटारा करने के लिये सुलह अधिकारी**, दोनों पक्षकारों के प्रतिनिधियों की संयुक्त रूप से या प्रत्येक पक्षकार की पृथक् रूप से बैठक आयोजित कर सकेगा।

9. **सुलह अधिकारी कार्यवाहियों का संचालन** शीघ्रता-पूर्वक और ऐसी रीति में, जो वह ठीक समझे, करेगा।

10. अधिकरण के समक्ष प्रक्रिया : (1) जहाँ केन्द्रिय सरकार निर्देश के आदेश की प्राप्ति की तारीख के दो सप्ताह के भीतर किसी विवाद को न्याय निर्णयन के लिये अधिकरण के समक्ष निर्दिष्ट करती है वहाँ कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाला पक्षकार या किसी व्यक्तिगत कर्मकार की दशा में स्वयं कर्मकार और विवाद में अन्तर्विलित निर्माता ऐसे विवादकों से संबंधित जो निर्देश के आदेश में सम्मिलित हैं, मांगों का एक कथन अधिकरण के समक्ष फाइल करेगा और ऐसे कथन की एक प्रति उक्त विवाद में अन्तर्विलित विरोधी पक्षकारों में से प्रत्येक को भी भेजेगा।

परन्तु जहाँ अधिकरण यह आवश्यक समझता है वहाँ वह

- (क) ऐसा स्थान फाइल करने के समय सीमा बढ़ा सकेगा,
- (ख) आपात मामलों में ऐसे कथन फाइल करने की समय सीमा कम करके एक सप्ताह तक कर सकेगा और उसके कारण लेखबद्ध करेगा,
- (ग) जहाँ दोनों पक्षकार सहमत हो जाते हैं वहाँ ऐसे करार के अनुसार कथन फाइल करने की समय सीमा घटा सकेगा,
- (घ) जहाँ दोनों पक्षकार सहमत हो जाते हैं वहाँ ऐसा कथन फाइल करने की अपेक्षा से बिल्कुल अभिमुखित दे सकेगा,
- (ङ) कार्यवाही के किसी भी प्रक्रम पर ऐसे कथन में उस सीमा तक संशोधन करना अनुज्ञात कर सकेगा जो निर्देश के आदेश में सम्मिलित वास्तविक विवादकों के अवधारण के प्रयोजन के लिये आवश्यक हों।

(2) उपनियम (1) के अधीन कथन की प्राप्ति के दो सप्ताह के भीतर विरोधी पक्षकार अधिकरण के समक्ष अपना प्रत्युत्तर फाइल करेगा और साथ ही उसकी एक प्रति अन्य पक्षकार को भेजेगा।

परन्तु ऐसा प्रत्युत्तर केवल ऐसे विवादकों से संबंधित होगा जो निर्देश के आदेश में सम्मिलित किये गये हैं।

परन्तु यह और कि जहाँ अधिकरण यह आवश्यक समझता है वहाँ वह -

- (क) ऐसा प्रत्युत्तर फाइल करने की समय सीमा बढ़ा सकेगा,
- (ख) आपात मामलों में ऐसा प्रत्युत्तर फाइल करने की समय सीमा को कम करके एक सप्ताह तक कर सकेगा और उसके कारण लेखबद्ध करेगा,
- (ग) जहाँ दोनों पक्षकार सहमत हो जाते हैं वहाँ करार के अनुसार ऐसे प्रत्युत्तर फाइल करने की समय-सीमा घटा सकेगा,
- (घ) जहाँ दोनों पक्षकार सहमत हो जाते हैं वहाँ ऐसे प्रत्युत्तर फाइल करने की अपेक्षा से बिल्कुल अभिमुखित दे सकेगा

(ङ) कार्यकारी के किसी भी प्रक्रम पर ऐसे प्रत्युत्तर में उस सीमा तक संशोधन करना अनुज्ञात कर सकेगा जो निर्देश के आदेश में सम्मिलित वास्तविक विवादकों के अवधारण के प्रयोजन के लिये आवश्यक हों।

3. अधिकरण साधारणतया विवाद की पहली सुनवाई के लिये तारीख उस तारीख के सप्ताह के भीतर जिसको वह न्याय निर्णयन के लिये निर्दिष्ट किया गया था नियत करेगा।

परन्तु अधिकरण लेखबद्ध किये जाने वाले कारणों से विवाद की पहली सुनवाई के लिये कोई बाद वाली तारीख नियत कर सकेगा।

(4) सुनवाई सामान्यतः दिन प्रतिदिन जारी रहेगी और साक्ष्य समाप्त हो जाने के ठीक पश्चात खोलें बी जायेंगी।

(5) अधिकरण विवाद के पक्षकारों में से किसी की प्रेरणा पर साधारणतः एक समय पर एक सप्ताह से अधिक की कालावधि का स्थगन और कुल मिलाकर तीन से अधिक स्थगन मंजूर नहीं करेगा,

परन्तु अधिकरण लेखबद्ध किये जाने वाले कारणों से विवाद के पक्षकारों में से किसी की प्रेरणा पर एक सप्ताह से अधिक का स्थगन या तीन से अधिक स्थगन मंजूर कर सकेगा,

परन्तु यह और कि निर्माता अधिकरण के पास विवादस्पद रकम विवाद के अन्तिम रूप से निपटाए जाने तक जमा करेगा।

(6) अधिकरण प्रत्येक साक्षी के साक्ष्य के सार का ज्ञापन तैयार करेगा। परन्तु अधिकरण सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 18 के नियम 5 में अधिकथित प्रक्रिया का पालन कर सकेगा यदि वह अपने समक्ष सम्बन्धित विशेष विवाद की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना आवश्यक समझता है।

11. सुनवाई का स्थान और समय नियम 6 और 7 में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अधीन रहते हुए सुलह अधिकारी और अधिकरण की बैठकें ऐसे समयों और स्थानों पर होगी जो पीठासीन अधिकारी नियत करे और सुलह अधिकारी या पीठासीन अधिकारी, यथास्थिति पक्षकारों को ऐसी रीति में जो वह ठीक समझें उसकी सूचना देगा।

12. साक्ष्य: अधिकरण अपने समक्ष कार्यवाहियों के किसी प्रक्रम पर और ऐसी रीति में जो वह ठीक समझें साक्ष्य प्रतिगृहीत कर सकेगा, स्वीकार कर सकेगा या उसकी अपेक्षा कर सकेगा।

13. अधिकरण: किसी विवाद के एकपक्षीय रूप से किये जाने को या किसी कर्मकार की पदच्युति को अपास्त करके या किसी कर्मकार को पुनः बहाल करके अपने समक्ष कार्यवाही के किसी पक्षकार को ऐसा अंतर्निमित्त या अन्य अनुतोष (चाहे वह किसी शर्त के अधीन हो अथवा नहीं) जिसके अन्तर्गत धारा 3 में निर्दिष्ट करार के अधीन संवेद्य मजदूरी

या किसी अन्य रकम के संदाय की बाबत किसी आदेश का स्थगन किसी व्यक्ति या निवेश का जारी किया जाना भी है दे सकेगा जो वह मामले की परिस्थितियों में न्यायसंगत और उचित समझे;

परन्तु अधिकरण ऐसा कोई अंतरिम अनुतोष जब तक नहीं देगा जब तक कि कार्यवाही के सभी पक्षकारों को ऐसे अंतरिम अनुतोष के लिये किये गये आवेदन पर सूचना की तामील न कर दी गई हो तथा उन्हें सुने जाने का व्यक्तिगत अवसर न दे दिया गया हो;

परन्तु यह और कि अधिकरण दृष्टिगत अंतरिम अनुतोष की प्रकृति और मामले की परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए कार्यवाहियों के पक्षकारों पर पूर्ववर्ती परन्तुक में निर्दिष्ट सूचना की तामील किये जाने से पहले ऐसा अंतरिम अनुतोष जो वह मामले की परिस्थितियों में न्यायसंगत और उचित समझे देने वाले समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

परन्तु यह और भी कि जहां अधिकरण ठीक पूर्ववर्ती परन्तुक के अधीन कोई आदेश करता है वहां वह प्रथम परन्तुक में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करने के पूर्व आदेश किये जाने के कार कोणी अभिलिखित करेगा।

14. समन: अधिकरण द्वारा जारी किये गये समन प्ररूप "ग" में होंगे और वह किसी व्यक्ति से अपने समक्ष, ऐसी लेखाबहियों, कागजपत्र या अन्य दस्तावेज और चीजें प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा जो ऐसे किसी व्यक्ति के कब्जे में या नियंत्रण के अधीन हैं और जो अधिकरण द्वारा अन्वेषण या न्यायनिर्णयन के अधीन मामले से किसी भी रूप में संबंधित हैं जिन्हें अधिकरण ऐसे अन्वेषण या न्यायनिर्णयन के प्रयोजन के लिये आवश्यक समझता है।

15. समन या सूचना की तामील: नियम 18 में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अधीन रहते हुए अधिकरण द्वारा जारी की गई कोई सूचना समन आदेशिका या आदेश की तामील या तो व्यक्तिगत रूप से या डाक द्वारा की जायेगी। यदि उक्त सूचना समन, आदेशिका या आदेश को प्रतिगृहित करने से सम्बद्ध पक्षकार द्वारा इनकार कर दिया जाता है तो वह रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेज दी जायेगी।

16. कुछ मामलों में पक्षकारों का वर्णन: जहाँ अधिकरण के समक्ष किसी कार्यवाही में किसी भी ओर से अनेक व्यक्तियों के नाम लिखे गये हैं वहाँ ऐसे व्यक्तियों को निम्नलिखित रूप में वर्णन किया जायेगा;

- (1) ऐसे सभी व्यक्ति जो किसी व्यवसाय संघ या संगम के सदस्य हैं, ऐसे व्यवसाय संघ या संगम के नाम से वर्णित किये जायेंगे, और
- (2) ऐसे व्यक्ति जो किसी व्यवसाय संघ या संगम के सदस्य नहीं हैं ऐसी रीति में वर्णित किये जायेंगे जो अधिकरण अवधारित करे।

17. विवाद के पक्षकार के रूप में अनेक व्यक्तियों की दशा में तामील की रीति: (1) जहाँ अधिकरण के समक्ष किसी कार्यवाही में पक्षकारों के रूप में अनेक व्यक्ति हैं, और ऐसे व्यक्ति किसी व्यवसाय संघ या संगम के सदस्य हैं वहाँ सूचना की तामील सचिव पर या जहाँ ऐसा कोई सचिव नहीं है वहाँ व्यवसाय संघ या संगम के प्रधान अधिकारी पर की गई तामील ऐसे व्यक्ति पर की गई समझी जायेगी।

(2) जहाँ अधिकरण के समक्ष किसी कार्यवाही में पक्षकारों के रूप में अनेक व्यक्ति हैं और ऐसे व्यक्ति किसी व्यवसाय संघ या संगम के सदस्य नहीं हैं वहाँ अधिकरण, जहाँ व्यक्तिगत तामील साध्य नहीं है वहाँ ऐसी सूचना की तामील उसको सम्बद्ध स्थापन के मुख्य द्वार पर या उसके निकट लगवाकर करायेगा।

(3) उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट रीति में तामील की गई सूचना को भी ऐसे कर्मकार की दशा में जिसकी जानकारी या पता नहीं लगाया जा सकता हो, पर्याप्त तामील के रूप में माना जायेगा।

18. पहली बैठक में प्रक्रिया: अधिकरण की पहली बैठक में, पीठासीन अधिकारी ऐसे क्रम में जो ठीक समझे, पक्षकारों से अपने मामलों का कथन करने के लिये अपेक्षा कर सकेगा।

19. अधिकरण द्वारा एक-पक्षीय कार्यवाही किया जाना: यदि पर्याप्त हेतुक दक्षित किये बिना अधिकरण के समक्ष कार्यवाही का कोई पक्षकार उपस्थित होने में असफल रहता है या उसका प्रतिनिधित्व नहीं किया जाता है तो अधिकरण इस प्रकार कार्यवाही कर सकेगा मानो पक्षकार सम्यकरूप से उपस्थित हुआ है या उसका प्रतिनिधित्व किया गया है।

20. सुलह अधिकारी या अधिकरण सम्बद्ध पक्षकार को युक्तियुक्त सूचना देने के पश्चात अधिनियम के अधीन जांच करने के प्रयोजन के लिये विवाद के पक्षकार के अभियोग में के किसी परिसर में प्रवेश कर सकेगा।

21. अधिकरणों की शक्तियाँ: प्रत्येक अधिकरण को वही शक्तियाँ होंगी जो निम्नलिखित विषयों की बाबत किसी वाद के विचारण करते समय सिविल प्रक्रिया 1908 (1908 का 5) के अधीन किसी सिविल न्यायालय में निहित होती हैं अर्थात् :-

- (क) किसी व्यक्ति को हाजिर कराना और शपथ पर उसकी परीक्षा करना;
- (ख) दस्तावेजों और भौतिक पदार्थों के पेश किये जाने को विवश करना;
- (ग) साक्षों की परीक्षा के लिये कमीशन निकालना;
- (घ) जांच और निरीक्षण;
- (ङ) आदेश की तरफ—शपथ-पत्र साबित किया जाने वाला कोई अन्य प्रश्न।

22. ऐसेसरो की नियुक्ति: अधिकरण के समक्ष कार्यवाही के लिये अधिकरण को सलाह देने के लिये अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (4) के अधीन ऐसेसरो की नियुक्ति की जायेगी।

23. अधिकरण को अपने समक्ष किसी कार्यवाही में नुकसानी का और उससे आनुपंगिक खर्चों का अधिनिर्णय देने की शक्ति होगी।

प्ररूप-क

(नियम देखिए)

फिल्म निर्माण और सिनेमा कर्मकार के बीच करार

यह करार एक पक्षकार के रूप में मँसर्स

..... जिसका कार्यालय

में है (यह भागीदारी अधिनियम, 1932 के अधीन रजिस्ट्रीकृत एक/एकल स्वत्वधारी समुत्थान/कर्म/कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्णमित और रजिस्ट्रीकृत कंपनी है) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'निर्माता' कहा गया है) और दूसरे पक्षकार के रूप में श्री/श्रीमती/कुमारी

..... जो

का/की पुत्र/पुत्री/पत्नी है और का/निवासी है (जिसे इसमें इसके पश्चात 'सिनेमा' कर्मकार कहा गया है) के बीच आज तारीख को किया गया। "निर्माता" और "सिनेमा कर्मकार" शब्दों के अंतर्गत उनके वारिस, उत्तराधिकारी प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि भी है:

निर्माता एक सवाक फिल्म के निर्माण में लगा है जो उसकी निर्माण संख्याक है और जिसका अन्तिम रूप से शीर्षक है तथा जो भौषा में है और 35मि.मी./16 मि.मी./70 मि.मी. गेज/सिनेमास्कोप व रंगीन/ग्राम और श्वेत है:

उक्त निर्माता पूर्वोक्त फिल्म में की हैसियत में सिनेमा कर्मकार को नियोजित करने की वांछा करता है और सिनेमा कर्मकार वह स्वीकार करता/करती है।

अतः निम्नलिखित रूप में यह करार किया जाता है:

1. दोनों पक्षकार यह करार करते हैं कि इस करार की अवधि इसमें दी गई तारीख से फिल्म के पूर्ण होने तक की होगी और यह अवधि लगातार मास से अधिक नहीं होगी।

सिनेमा कर्मकार, अपने पूर्ववर्ती अनुबन्ध, तथा अपनी पुष्टि पर अपनी नौकरी की अपेक्षा के अधीन रहते हुए यथास्थिति, स्टुडियो, लोकेशन, कर्मशाला में निर्माता या उसके द्वारा लिखित रूप में सम्प्रकृत प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा लिखित प्रज्ञापना द्वारा जब और जैसे अपेक्षित होगा अपने काम पर नियमित रूप से उपस्थित होने के लिए करार करता है।

3. सिनेमा कर्मकार की यथा पूर्वोक्त सेवाओं के प्रति-फलस्वरूप निर्माता रु० की राशि का संदाय करने के लिए और सिनेमा कर्मकार उसे प्राप्त करने के लिए करार करता है। इस करार पर हस्ताक्षर करने पर रु. की राशि अग्रिम संदेय होगी और शेष रु. बराबर मासिक किस्तों में संदेय होगा।

4. यदि फिल्म अनुबन्ध अवधि के भीतर पूरी नहीं होती और निर्माता को, फिल्म को पूर्ण करने के लिए सिनेमा कर्मकार की सेवाओं की अभी भी आवश्यकता हो तो निर्माता फिल्म के पूर्ण होने तक उपर्युक्त खण्ड 3 में यथाकथित रीति के आनुपातिक आधार पर, अतिरिक्त पारिश्रमिक का संदाय करने के लिए और सिनेमा कर्मकार उसे लेने के लिए करार करता/करती है।

5. यदि सिनेमा कर्मकार का कार्य, उपर्युक्त खंड 1 और 4 में अनुबन्धित अवधि से पूर्व पूर्ण हो जाता है तो निर्माता सिनेमा कर्मकार का हिसाब कर देगा और फिल्म की पुनः रिकार्डिंग/सेंसर जो भी पहले हो, के प्रारंभ होने से पूर्व करार की पूर्ण रकम का अतिशेष चुका देगा।

6. निर्माता द्वारा यह करार किया जाता है कि इस करार के प्रयोजनार्थ,

(क) एक कार्यदिवस से अभिप्रेत है लगातार आठ घंटे से अधिक की अवधि (इसमें विश्राम तथा जलपान के लिए एक घंटे का विश्राम भी सम्मिलित है)

(ख) एक कार्य-सप्ताह से अभिप्रेत है सोमवार से शनिवार तक, जिसमें दोनों दिन सम्मिलित है, छह दिन का सप्ताह/सिनेमा कर्मकार रविवारों तथा सार्वजनिक अवकाश दिनों के कार्य करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(ग) सिनेमा कर्मकार से यह अपेक्षित नहीं होगा कि वह बिना विश्राम के लगातार पाँच घंटे के अधिक कार्य करें, और

(घ) सिनेमा कर्मकार को स्टुडियो/लोकेशन/कार्यस्थान से छोड़े जाने और अगले/पश्चातवर्ती बुलावे के बीच कम से कम बारह घंटे अवश्य व्यपगत होंगे।

7. सिनेमा कर्मकार, यदि अपेक्षित हो तो,

(क) प्रारंभिक कार्य के लिए, पारी के अनुचित समय से पूर्व यथास्थिति/स्टुडियो लोकेशन का कार्य स्थान पर उपस्थित होगा/होगी और ऐसी दशा में निर्माता द्वारा से ऐसी शीघ्र उपस्थिति के लिए प्रति घंटे या उसके भौग के लिए रुपए की दर से अतिरिक्त मजदूरी संदत्त की जाएगी।

(ख) कार्य दिवस के पश्चात् भी एक घंटे के विराम के साथ, कार्य करता रहेगा/करती रहेगी और उस दशा में निर्माता द्वारा उसे बढ़ाए गए घंटों के दौरान कार्य के लिए प्रति घंटे या उसके भाग के लिए रूप की दर से अतिरिक्त मजदूरी संवत् की जाएगी और जलपान तथा परिवहन की सुविधाएं दी जाएंगी।

8. निर्माता कर्तव्य पर उपस्थित रहने के समय परिवहन और भोजन की व्यवस्था करेगा या रुढ़िगत रूप में अथवा सिनेमा कर्मकार प्रतिनिधि संगठनों तथा निर्माता के बीच द्विपक्षीय समझौतों द्वारा नियत कर्तव्य पर जाने और कर्तव्य से आने के लिए यात्रा भत्ते तथा भोजन भत्ते का संदाय करेगा।

9. यदि सिनेमा कर्मकार से बाह्य स्थानों पर कार्य किया जाना अपेक्षित हो तो निर्माता सभी यात्रा और आवास व्यय, किराया भोजन की लागत व रुढ़िगत रूप में सभी अन्य भत्ता का संदाय करेगा।

10. निर्माता, सिनेमा कर्मकार के नियोजन और या इस करार के अधीन उसके समनुदेशन की अवधि से उद्भूत या इसके दौरान उसे हुई किसी शारीरिक क्षति या नुकसान इसमें मृत्यु भी सम्मिलित है, के लिए उसका बीमा कराएगा।

11. यह अधिकार निर्माता को होगी कि वह सिनेमा कर्मकार के व्यक्तित्व, कपड़ों, मेकअप और बालों के स्टाइल को स्क्रीन पर किस रीति में प्रस्तुत करें और सिनेमा कर्मकार इस संबंध में निर्माता के निदेश का स्वेच्छा से पालन करेगा, परन्तु यह जब तक कि इस संबंध में निर्माता की अपेक्षाओं की बाबत सिनेमा कर्मकार को अधिसूचित किया गया हो और उसके द्वारा वे स्वीकार कर ली गई हो।

12. सिनेमा कर्मकार करार करता है/करती है कि वह अपनी सर्वोत्तम योग्यता के अनुसार अपनी सेवाएं निर्माता या उसके अनुरोध पर फिल्म के निदेशक द्वारा निर्देशित रीति में प्रदान करेगा/करेगी और फिल्म के निर्माण के लिए उसके द्वारा किए जाने वाले सभी युक्तियुक्त अनुदेशों का पालन करेगा/करेगी।

13. सिनेमा कर्मकार यथास्थिति स्टुडियो लोकेशन या कार्य स्थान के सभी विनियमों का पालन करेगा/करेगी।

14. यदि निर्माता कठिन बलवे प्राकृतिक विपत्ति लोक प्राधिकारी के आदेश या उसके नियंत्रण से बाहर किसी कारण से फिल्म के निर्माण को अग्रसर करने से निवारित हो जाता है तो :—

(क) यदि निर्माता लंबित कर दिया जाए तो वह निर्माण के निबंधन की अवधि के दौरान इस करार का प्रवर्तन निलंबित करने का हकदार होगा/होगी। निर्माता सिनेमा कर्मकार पर ऐसे निलंबन की लिखित सूचना की तामील करेगा और ऐसी

सूचना की तारीख तक वे उसके सारे शोध्यों का संदाय करेगा। फिल्म के कार्य पुनरारम्भ पर यह करार नवीकृत हो जाएगा और खंड 1 में अनुबंधित अवधि के लिए विधिमान्य रहेगा इसमें से निलंबन की अवधि अपवर्जित कर दी जाएगी; या

(ख) यदि निर्माण पूर्णतया बंद हो जाता है तो वह निर्माण के बंद होने के समय से इस करार को पर्यवसित करने का हकदार होगा। निर्माता इस प्रकार बंद हो जाने को लिखित सूचना की सिनेमा कर्मकार पर तामील करेगा और पर्यवसान के समय सिनेमा कर्मकार को देय सारी रकम का संदाय करेगा।

15. यदि निर्माता सिनेमा कर्मकार के कर्तव्यों के निष्पादन से संबंधित आचार या इस करार के अधीन अपेक्षित सेवाओं का निष्पादन करने में उसकी अनिच्छा से भिन्न कारणों से अवधि की समाप्ति से पूर्व इस करार का पर्यवसान करने की वांछा करता है तो इस करार की अनुबंधित रकम को अतिशेष के संदाय पर ही ऐसा करने का हकदार होगा। सिनेमा कर्मकार को ऐसा संदाय करने के पश्चात् ही निर्माता उसके स्थान पर किसी अन्य सिनेमा कर्मकार को नियोजित करने का हकदार होगा।

16. सिनेमा कर्मकार के कर्तव्यों के निष्पादन से संबंधित अवचार या इस करार के अधीन अपेक्षित सेवाओं का निष्पादन करने में उसकी अनिच्छा के आधार पर करार के पर्यवसित करने का अधिकारी निर्माता को पर्यवसान के समय सिनेमा कर्मकार को शोध्य रकम का संदाय करने पर ही होगा। इसकी संगणना करते समय फिल्म में सिनेमा कर्मकार के कुछ कार्य और पर्यवसान की तारीख तक उसके द्वारा पूर्ण किए गए कार्य पर भी विचार किया जाएगा।

इस खंड के अधीन पर्यवसान तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि सिनेमा कर्मकार के विरुद्ध निर्माता के आरोप ऐसे मंच के सामने प्रमाणित न हो जाए जिसमें उस निर्माता संगठन तथा सिनेमा कर्मकार संगठन के जिससे कि वह निर्माता तथा सिनेमा कर्मकार क्रमशः संबंधित है वरावर संख्या में प्रतिनिधि समाविष्ट हो। मंच का विनिश्चय दोनों पक्षकारों पर आवश्यक होगा। निर्माता संबंध कार्य के लिए अन्य सिनेमा कर्मकार केवल तभी नियोजित कर सकता है जब कि मंच ने पर्यवसान के पक्ष में अपना विनिश्चय दे दिया हो तो सिनेमा कर्मकार को उसके सभी शोध्य संवत् कर दिए गए हैं।

17. इस करार के समयपूर्व पर्यवसान की दशा में फिल्म में सिनेमा कर्मकार का प्रतिधारित किया जाना या न किया जाना निर्माता के विकल्प पर होगा और उसी प्रकार फिल्म के पास-परिचय में अपने नाम को सम्मिलित किए जाने की अनुज्ञा देना या न देना सिनेमा कर्मकार के विकल्प पर होगा।

18. निर्माता, सिनेमा कर्मकार की लिखित सम्मति के बिना इस करार का लाभ किसी अन्य व्यक्ति को समनुदिष्ट या अन्तर्गत नहीं करेगा।

19. कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1982 के उपबंध इस करार को लागू होंगे।

20. निर्माता सिनेमा कर्मकार के कार्य का इस करार के अधीन फिल्म के भिन्न किसी फिल्म के लिए, सिनेमा कर्मकार की पूर्व अनुमति के बिना उपयोग नहीं करेगा।

पक्षकारों के परस्पर तथा साक्षियों की उपस्थिति में ऊपर लिखित तारीख मास तथा वर्ष को अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

1. साक्षी निर्माता
नाम (पता) सिनेमा कर्मकार

2. साक्षी
नाम (पता)

टिप्पण : सिनेमा कर्मकार की दशा में उसका विधिक संरक्षक करार निष्पादित करेगा।

प्ररूप 'ख'

(नियम 4 देखें)

सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 की धारा 7 की उपधारा 4 के अधीन सुलह अधिकारी/अधिकरण को विवाद निर्देशित किए जाने के लिए, आवेदन का

प्ररूप

..... और
..... की बीच विवाद की आशंका/विद्यमान है और यह समीचीन होगा कि संलग्न कथन में विनिर्दिष्ट विवाद से सम्बद्ध विषय विवाद से सुसंगत अन्वेषण और निपटारा सुलह अधिकारी/अधिकरण को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित किया जाना चाहिए। अतः सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 की धारा 7 की उपधारा 4 के अधीन यह आवेदन किया जाता है कि उक्त मामलों/उक्त विवादों को सुलह अधिकारी/अधिकरण को निर्देशित किया जाए।

यह आवेदन अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया है जिसे कि तारीख के हुए एक अधिवेशन में उपस्थित सदस्यों के बहुमत द्वारा अकीकृत प्रस्ताव (प्रति संलग्न है) द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किया गया है।

कथन जिसमें सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1984 के नियम 4 के अधीन अपेक्षित विनिर्दिष्टियां दी गई हैं।

*नियोजक के हस्ताक्षर.....

या अभिकर्ता.....

व्यवस्था मंच के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

या

व्यवस्था मंच के सचिव के हस्ताक्षर.....

या

सम्यक्तः प्राधिकृत (संलग्न प्रस्ताव देखें) (पांच प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर.....

या

सिनेमा कर्मकार (कर्मकारों) के हस्ताक्षर.....
उसी स्थापन के सम्यक्तः प्राधिकृत

(संलग्न प्रस्ताव देखें) सिनेमा कर्मकार के
हस्ताक्षर

*जो लागू न हों उसे काट दें।

सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1984 के नियम 4 के अधीन अपेक्षित कथन :

(क) विवाद के पक्षकार इसमें अन्तर्बलित स्थापन का नाम और पता भी सम्मिलित है।

(ख) विवाद के विनिर्दिष्ट विषय।

(ग) प्रभावित स्थापन में सिनेमा कर्मकारों की कुल संख्या

(घ) ऐसे सिनेमा कर्मकारों की अनुमानित संख्या जो विवाद से प्रभावित है या जिनके प्रभावित होने की संभावना है।

(ङ) विवाद निपटारने के लिए पक्षकारों द्वारा स्वयं किए गए प्रयास।

प्ररूप 'ग'

(नियम 14 देखें)

..... और
..... के बीच एक विवाद, अन्वेषण और निपटारे के लिए सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 की धारा 7 के अधीन न्यायनिर्णयन के लिए अधिकरण को निर्देशित किया गया है, आपके तारीख को बजे उक्त विचार से संबंधित सभी तात्त्विक प्रश्नों का उत्तर देने के लिए व्यक्तिगत रूप से अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए बुलाया जाता है। आपको निर्देश दिया जाता है कि उक्त दिन आप

अपने कब्जे में या अपने नियंत्रण में भी ऐसी सभी बहियों, कागजपत्रों तथा अन्य दस्तावेज और वस्तुओं का जो इस अधिकरण द्वारा अन्वेषण धीन मामले से किसी भी प्रकार संबंधित हो, प्रस्तुत करें।

तारीख 19-9-84

[फा.सं. 103/7/83-एफ (आई)]

विजेन्द्र सिंह जाफा, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

G.S.R. 677(E).—In exercise of the powers conferred by section 23 read with section 3 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby makes the following rules, namely:

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on 1st day of October, 1984.

2. Definitions : In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (1) 'Act' means the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act 1981 (50 of 1981);
- (2) 'tribunal' means a cine-workers tribunal constituted under section 7 of the Act;
- (3) 'Forms' means a Form appended to these rules;
- (4) 'section' means a section of the Act;
- (5) 'leave' means earned leave, medical leave, casual leave, maternity leave;
- (6) 'leave not due' means leave which is not due to the cine-worker but which may be granted to him in anticipation of it being earned subsequently;
- (7) 'quarantine leave' means leave of absence from duty by reason of the presence of an infectious disease in the family or household of a cine-worker;
- (8) 'study leave' means leave granted to a cine-worker to enable him to undergo any special course of training which may be of use to him in his career.

CHAPTER II

3. Form of agreement under section 3.—Agreement as envisaged in section 3 of the Act shall be as in Form 'A'.

CHAPTER III

Procedure for reference of disputes to a Conciliation Officer or a Tribunal

4. Applications.—An application under section 4 or section 7 for the reference of a dispute to a conciliation officer or a tribunal shall be made in Form 'B'

and shall be delivered personally or forwarded by registered post to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting in triplicate. The application shall be accompanied by a statement setting forth the following information:

- (a) Name of the parties to the dispute;
- (b) the specific matters in dispute;
- (c) the total number of cine-workers employed in the establishment affected;
- (d) an estimate of the number of cine-workers affected or likely to be affected by the dispute; and
- (e) the efforts made by the parties themselves to adjust the dispute.

5. Attestation of application :—The application and the statement accompanying it shall be signed :—

- (a) in the case of a producer, by the producer himself;
- (b) in the case of cine-workers, either by the president and secretary of a trade union of the cine-workers or by five representatives of the cine-workers duly authorised in this behalf at a meeting of the cine-workers held for the purpose;
- (c) in the case of an individual cine-worker, by the cine-worker himself or by any officer of the trade union of which he is a member or by another cine-worker in the same establishment duly authorised by him in this behalf provided that such cine-worker is not a member of a different trade union.

CHAPTER IV

Powers, procedures and duties of the Conciliation Officer and the Tribunals

6. Conciliation Officers :—(1) The conciliation officer on receipt of notice of the strike or lockout, shall forthwith arrange to interview both the producer and the cine-workers concerned with the dispute at such place and time as he may deem fit and shall endeavour to bring about a settlement of the dispute in question.

(2) Where the Conciliation Officer receives any information about an existing or apprehended disputes and he considers it necessary to intervene in the dispute, he shall give formal intimation in writing to the parties concerned declaring his intention to commence conciliation proceedings with effect from such date as may be specified therein.

7. Parties to submit statement.—The producers or the party representing cine-workers or in the case of the individual cine-worker, the cine-worker himself involved in a dispute, shall forward a statement setting forth with the specific matter in the dispute to the conciliation officer concerned, whenever his intervention in the dispute is required.

8. The conciliation officer for resolving the dispute may hold a meeting of the representatives of both parties jointly or of each party separately.

9. The conciliation officer shall conduct proceeding expeditiously and in such manner as he may deem fit.

10. Proceeding before the tribunal :

(1) Where the Central Government refers any dispute for adjudication to a tribunal within two weeks of the date of receipt of the order of reference, the party representing workmen or in the case of individual workman, the workman himself and the producer involved in the dispute shall file with the tribunal a statement of demands relating to the issues as are included in the order of reference and shall also forward a copy of such statement to each one of the opposite parties involved in the said dispute.

Provided that where the tribunal considers it necessary it may,

- (a) extend the time limit for filing of such statement;
- (b) reduce the time limit for filing of such statement to one week in emergent cases for reasons to be recorded in writing;
- (c) where both the parties agree, reduce the time limit for filing of such statement as per agreement;
- (d) where both the parties agree, dispense with the requirement of filing such statement altogether;
- (e) allow at any stage of the proceeding amendments to such statement to the extent as may be necessary for the purpose of determining the real issues included in the order of reference.

(2) Within two weeks of the receipt of the statement under sub-rule (1), the opposite party shall file its rejoinder with the tribunal and simultaneously forward a copy thereof to the other party ;

Provided that such rejoinder shall relate only to such of the issues as are included in the order of reference :

Provided further that where the tribunal considers it necessary it may,

- (a) extend the time limit for filing of such rejoinder;
- (b) reduce the time limit for filing of such rejoinder to one week in emergent cases for reasons to be recorded in writing;
- (c) where both the parties agree, reduce the time limit for filing of such rejoinder as per agreement;
- (d) where both the parties agree, dispense with the requirement of filing such rejoinder altogether;
- (e) allow at any stage of the proceedings amendments to such rejoinder to the extent as may be necessary for the purpose of determining the real issues included in the order of reference.

(3) The tribunal shall ordinarily fix the date for the first hearing of the dispute within 6 weeks of the date on which it was referred for adjudication :

854 G1/84—2

Provided that the tribunal may, for reasons to be recorded in writing, fix a later date for the first hearing of the dispute.

(4) The hearing shall ordinarily be continued from day to day and arguments shall follow immediately after the closing of evidence.

(5) The tribunal shall ordinarily not grant any adjournment for a period exceeding a week at a time, not more than three adjournments in all at the instance of any one of the parties to the dispute :

Provided that the tribunal for reasons to be recorded in writing grant an adjournment exceeding a week or more than 3 adjournments at the instance of any one of the parties to the dispute :

Provided further that the producer should deposit the disputed amount with the Tribunal pending finalisation of the dispute.

(6) The tribunal shall make a memorandum of the substance of evidence of each witness :

Provided that the tribunal may follow the procedure laid down in rule 5 of order XVIII of the first Schedule to the Code of Civil, Procedure, 1908, (5 of 1908) if it considers necessary so to do in view of the nature of the particular dispute pending before it.

11. Place and time of hearing :—Subject to the provisions contained in rules 6 and 7, the sittings of the Conciliation Officer and the tribunal shall be held at such times and places as the presiding officer may fix and Conciliation Officer or the presiding officer as the case may be, shall inform the parties of the same in such manner as he think fit.

12. Evidence :—The tribunal may accept, admit or call for evidence at any stage of the proceedings before it and in such manner as it may think fit.

13. A Tribunal may grant to any party to any proceedings before it, such interim or other reliefs (whether subject to any conditions or not), including stay of any order, issue of any injunction or direction in regard to payment of wages or other amounts payable under the agreement referred to in section 3, setting aside any unilateral termination of contract or the dismissal of a worker or reinstating a worker, as it deems just and proper in the circumstances of the case :

Provided that the Tribunal shall not grant any such interim relief unless all the parties to the proceeding have been served with a notice on the application for such interim relief and have been given a reasonable opportunity of being heard :

Provided further that the Tribunal may, having regard to the nature of the interim relief sought and the circumstances of the case, pass appropriate orders granting such interim relief as it deems just and proper in the circumstances of the case before the notice referred to in the proceeding proviso is served on the parties to the proceeding :

Provided also that where the Tribunal makes any order under the proviso immediately proceeding, it shall record the reasons for making the order before

complying with the requirements specified in the first proviso.

14. The summons :—The summons issued by a tribunal shall be in Form 'C' and may require any person to produce before it any books, papers or other documents and things in the possession of or under the control of such person in any way relating to the matter under investigation or adjudication by the tribunal which the tribunal thinks necessary for the purpose of such investigation or adjudication.

15. Service of summons or notice :—Subject to the provision contained in rule 18, any notice, summons, process or order issued by a tribunal shall be served either personally or by post. In the event of refusal by the party concerned to accept the said notice, summons, process or order, the same shall be sent by registered post.

16. Description of parties in certain cases :—Where in any proceeding before a tribunal, there are numerous persons arrayed on any side, such persons shall be described as follows :—

- (1) all such persons as are members of any trade union or association shall be described by the name of such trade union or association; and
- (2) all such persons as are not member of any trade union or association shall be described in such manner as the tribunal may determine.

17. Manner of service in the case of numerous persons as parties to dispute :

- (1) Where there are numerous persons as parties to any proceedings before a tribunal and such persons are members of any trade union or association, the service of notice on the secretary or where there is no secretary, on the principal officer of the trade union or association shall be done deemed to be service on such persons.
- (2) Where there are numerous persons as parties to any proceedings before a tribunal and such persons are not members of any trade union or association, the tribunal shall, where personal service is not practicable, cause the service of any notice to be made by affixing the same at or near the main entrance of the establishment concerned.
- (3) A notice served in the manner specified in sub-rule 2 shall also be considered as sufficient service in the case of such workman who cannot be ascertained and found.

18. Procedure at the first sitting :—At the first sitting of a tribunal, the presiding officer shall call upon the parties in such order as he may think fit to state their case.

19. Tribunal may proceed ex-parte :—If without sufficient cause being shown any party to proceedings before a tribunal fails to attend or to be represented, the tribunal may proceed as if the party had duly attended or had been represented.

20. A Conciliation Officer or a Tribunal may enter in any premises in occupation of the party to the dispute after giving a reasonable notice to the party concerned for the purpose of making enquiries under this Act.

21. Power of tribunals :—Every tribunal shall have the same powers as are vested in a civil court under the Code of Civil Procedure 1908 (5 of 1908) when trying a suit, in respect of the following matters, namely :—

- (a) enforcing the attendance of any person and examining him on oath;
- (b) compelling the production of documents and material objects ;
- (c) issuing commissions for the examination of witnesses;
- (d) discovery and inspection;
- (e) power of order—any point to be proved by affidavit.

22. Appointment of Assessors : For any proceedings before the Tribunal, the Assessors may be appointed under Sub-Section (4) of Section 7 of the Act, to advise the Tribunal.

23. The tribunal shall have power to award damages in and the cost of and incidental to any proceeding before it.

FORM 'A'

(See Rule 3)

AN AGREEMENT BETWEEN FILM PRODUCER AND CINE WORKER

This agreement is made on this _____ of _____ 19____ between Messrs. _____ having office at _____ (a sole proprietary concern| a firm registered under the Partnership Act, 1932| a Company incorporated and registered under the Companies Act, 1956) (hereinafter referred to as the "Producer") on the first part and Shri | Smt| Kum. _____ son| daughter|wife of Shri _____ residing at _____ (hereinafter referred to as the "Cine Worker") on the second part. The terms 'Producer' and 'Cine Worker' shall include their heirs, successors, administrators and legal representatives:

Whereas the Producer is engaged in the production of a talkie film, his production No. _____ tentatively titled as _____ in _____ language in 35 mm|16mm|70 mm gauge|Cinemascope, in colour|black and white :

Whereas the said producer is desirous to engage the Cine Worker in the capacity of a _____ in the aforesaid film and the Cine Worker accepts the same:

Now, therefore this agreement is made as follows :

1. That both the parties agree that the duration of this agreement shall be from the date hereof till the completion of the film and this period shall not exceed consecutive months.

2. That the cine-worker agrees to attend studio, location or work place as the case may be subject to the requirement of his previous engagement and on his confirmation, to his respective job punctually as and when he shall be required by a written intimation by the Producer or the person duly authorised by him in writing.

3. That in consideration of the Cine-Worker's services, as aforesaid, the Producer agrees to pay and the Cine Worker agrees to receive a sum of Rs. ————— (Rupees —————) payable as advance on signing of this agreement and the balance of Rs. ————— payable in ————— equal instalments.

4. That in the event of the film being not complete within the stipulated period and the Producer still needing the services of the Cine Worker to complete the film, the producer agrees to pay and the Cine Worker agrees to receive additional remuneration on pro-rata basis, payable in the same manner as stated in clause 3 above, till the completion of the film.

5. That in case the assignment of the Cine worker is completed earlier than the period stipulated in clause 1 and 4 above, the Producer shall settle the account of the Cine Worker and pay the remaining balance of the agreement amount in full before the commencement of the re-recording work/censor of the film, whichever is earlier.

6. It is agreed by the Producer that for the purposes of this agreement,

- (a) a working day shall mean a period not exceeding eight consecutive hours (to include one hour's break for rest and refreshments);
- (b) a working week shall mean a six-day week from Monday to Saturday, both inclusive, and the Cine Worker is not liable to work on Sundays and Public Holidays;
- (c) the cine worker shall not be required to work for more than five consecutive hours without a break; and
- (d) a period of not less than twelve hours shall elapse between the Cine-Worker's release from the studio/ location/ work-place and the next succeeding call.

7. That the Cine Worker shall, if so required,

- (a) attend the studios, location or work-place as the case may be earlier than the scheduled time of the shift, for preparatory work, and in that case, he/she shall be paid by the Producer extra wages at the rate of Rs. ————— per hour or part thereof for such early attendance.
- (b) continue to work beyond the working day, with one hour break and in that case he/she shall be paid by the Producer extra wages at the rate of Rs. ————— for the work during the extended hours and refreshments, and transport facilities.

8. That the Producer shall provide transport and food or pay travelling allowances to and fro to report to duty and food allowance while on duty as are customary or fixed by bilateral arrangements between the Producer's and Cine Worker's representative organisations.

9. That the Producer shall also pay for all travelling and accommodation expenses, fares, cost of food and such other allowances as are customary when the Cine Worker is required to work on location outdoors.

10. That the Producer shall get the Cine Worker insured for any injury or damage to his/her person including death caused by accident arising out of or in the course of his/her employment and/or during the period of his/her assignment under this agreement.

11. That where the Producer is prevented from proceeding with the production of the film by reason of fire, riot, natural calamity, order of the public authority or any other reason beyond his control:—

- (a) he shall be entitled to suspend the operation of this agreement during the period of suspension of production in case the production is suspended. The producer shall serve notice in writing of such suspension on the Cine Worker and shall pay all his/her dues up to the date of service of such notice. Upon resumption of work on the film, this agreement shall revive and shall remain valid for the period stipulated in clause 1, excluding the period of suspension therefrom; or
- (b) he shall be entitled to terminate this agreement as from the cessation of production, in case the production ceases completely. The producer shall serve a notice in writing of such cessation on the Cine-Worker and make payment of all the amount due to the Cine Worker at the time of termination.

12. That in case if the Producer desires to terminate this agreement before the expiry of its term for reasons other than misconduct in relation to performance of the Cine Worker's duties or of his/her unwillingness to perform the services required under this agreement, the Producer shall be entitled to do so only upon payment of the balance of the stipulated amount of the agreement. Only after such payment to the Cine Worker, the Producer shall be entitled to employ another Cine Worker in his/her place.

13. That the Producer shall have the right to terminate this agreement on ground of misconduct on the part of the Cine-worker in relation to performance of his/her duties or his/her unwillingness to perform the services required under the agreement, upon payment to the Cine-worker of the amount due at the time of termination, calculated taking into consideration the Cine-worker's total work in the film and the work he/she has completed till the date of termination of this agreement. Termination under this clause shall not be made unless the charges of the Producer against the Cine-worker are proved before a forum comprising equal number of representatives of the Producers' Organisation and the Cine-workers' Organisation.

Organisation to which the Producer and the Cine-worker respectively may belong. The decision of the forum shall be binding on both the parties. The Producer can engage another cine-worker for the job towards this agreement only after the forum has given a decision in favour of such termination and the cine-worker has been paid all his dues.

14. That in case of premature termination of this agreement, it shall be the option of the Producer whether or not to retain the work of the Cine worker in the film and at the same time, it shall be option of the cine-worker whether or not to allow his/her name to go on the credit titles of the film.

15. That the Producer shall have the right to decide the manner of representing the Cine Worker's personality on the screen, his/her clothes, make-up and hair-style and the Cine Worker shall fully and willingly comply with the direction of the Producer in this regard, provided that the requirements of the Producer in this respect have been notified to the Cine Worker and accepted by him/her.

16. That the Cine Worker agrees that he/she shall render his/her services to the best of his/her ability in such manner as the Producer or, at his instance, the Director of the film may direct and shall comply with all reasonable instructions that he may give for the production of the film.

17. That the Cine-worker shall comply with all the regulations of the studio, location or work-place as the case may be.

18. That the Producer shall not without the consent in writing of the Cine-Worker, assign or transfer the benefit of this agreement to any other person.

19. That the provisions of the Employees' Provident Funds and Misc. Provisions Act, 1952 shall be applicable to this agreement.

20. That the Producer shall not utilise the work of the Cine-worker in any film, other than the film under this agreement, without prior permission of the cine-worker.

The parties have put their hands to this agreement on the date, month and year said above in the presence of each other and in the presence of the witnesses.

1. Witness	Producer
Name	
Address	
2. Witness	Cine Worker
Name	
Address	

FORM 'B'

(See rule 4)

Form of application for reference of a dispute to a Conciliation Officer under section 4 or section 7 of Tribunal

the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation and Employment) Act, 1981.

Whereas a dispute *is apprehended between _____ exists

_____and_____and it is expedient that the *matters specified in the enclosed statement which are connected|the dispute investigation and settlement relevant to the dispute _____ should be referred for adjudication by a Conciliation Officer

Tribunal _____ an application is hereby

made under section 4 or 7 of the Cine-workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act 1981 that the said matters should be referred _____ said dispute

to a Conciliation Officer _____ Tribunal.

This application is made by the undersigned who has been duly authorised to do so by virtue of a _____ have resolution (copy enclosed) adopted by a majority of the members present at a meeting of the _____ held on the _____19_____

A statement giving the particulars required under rule 4 of the Cine-workers and Cinema Theatre Workers, 1984 is enclosed.

Signature of employer* _____
or agent _____
or _____

*Delete whichever is not applicable.

Signature of the
President of the Trade Union—
Secretary to the Trade Union—
or _____

Signature of five representatives
duly authorised (vide resolution
enclosed) _____
*or _____

Signature of the cine-worker(s)
or _____

Signature of the cine-worker in
the same establishment duly
authorised (vide authorisation
enclosed) _____

To,

The Secretary to the Government of India,
Ministry of Information and Broadcasting,
New Delhi.

Statement required under rule 4 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Rules, 1984 ;

(a) Parties to the dispute including the name and address of the establishment involved.

(b) Specific matters in dispute.

- (c) Total number of cine-workers employed in the establishment affected.
- (d) Estimated number of cine-workers affected or likely to be affected by the dispute.
- (e) Efforts made by the parties themselves to adjust the dispute.

*delete whichever is not applicable.

FORM 'C'

(See rule 14)

Whereas a dispute between ——— and ——— for investigation and settlement has been referred to this

Tribunal for adjudication under section (7) of the Cine-workers and Cineme Theatre Workers (Regulation of Employment) Act 1981, you are hereby summoned to appear before the Tribunal in person on the ——— day of ——— at ——— o'clock in the ——— noon to answer all material questions relating to the said dispute and you are directed to produce on that day all the books, papers and other documents and things in your possession or under your control in any way to the matter under investigation by this Tribunal.

Dated.....

Presiding Officer, Tribunal.

[F. No. 103/7/83-F(I)]

VIJENDRA SINGH JAJA, Jt. Secy.

